

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-५८

दिनांक- शुक्रवार, २१ अगस्त, २०२०



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेदशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.२ एवं २६.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.६ एवं दोपहर में ३३.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १५.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२२-२६ अगस्त, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २२-२६ अगस्त तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २५-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडीयों तनों में घुसकर क्षती पहुंचाती है। प्रारंभिक अवस्था में पौधों की मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है। ऐसे पौधों में बालीयों सुखी एवं खोखली रह जाती है। इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- धान की २५-३० दिनों की फसल में प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। पिछात रोपी गई धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- परवल की राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी०-१, एफ०पी०-३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१ आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर २५०० गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी २ग२ मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढा कम्पोस्ट ३ से ५ किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली २५० ग्राम, एस०एस०पी० १०० ग्राम, म्युरेट ऑफ पोटाश २५ ग्राम एवं थिमेट १० से १५ ग्राम का व्यवहार करें।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव के लिए कार्बोफ्यूथ्रान (३ जी) का ७ किलोग्राम/हे० की दर से पौधों के गाभा में डालें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मॉलिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करें। फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवोरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० प्रतिशत छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊंचाई पर ढकने की व्यवस्था करें।
- उर्चोस जमीन में २५ अगस्त के बाद सितम्बर अरहर की बुआई कर सकते हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा-६ तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतों को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें।
- पशुओं को वर्षा के पानी से एवं जलजमाव के पानी से बचायें। बाढ़ का पानी को पशुओं को न दे कर साफ पानी पिलायें। बाढ़ के पानी में भिंसें हरा चारा को नहीं खिलायें अथवा साफ पानी में धोकर ही खिलायें। पशुओं के गोबर, पेशाब एवं अन्य कचरे को उचित स्थान पर रखें। ऐसा न करने से पशु गृह में मक्खी, परजीवी किलनी एवं रोगवाहक कीड़े मकोड़े पनपते हैं एवं संक्रमण फैलाते हैं। इस मौसम में पशु गृह को हवादार रखें एवं नियमित रूप से साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।

आज का अधिकतम तापमान: २८.५ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से ४.० डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: २५.० डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से ०.६ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी